पेड़ लगाएँ

क्लास -७

पाठ का नाम -पेड़ लगाएँ

पाठ -३

PPT-1

लेखिका परिचय

- कीर्ति श्रीवास्तव का जन्म ६ जुलाई १९७४ में हुआ । इनकी पढ़ाई वाणिज्य साखा में हुई। शुरुआत से ही इनका झुकाव बाल कहानियाँ ,कविताओं तथा लघु कथा की ओर रहा । इनकी कई रचनाएं राष्ट्रीय –अंत राष्ट्रीय पत्र –पत्रिकाओ में छप चुकी है ।
- मेहनत का फल ,होता मीठा (कविता संग्रह)लालच नहीं करूंगा (कहानी संग्रह)इनकी प्रमुख रचनाएं है । बाल मनोबिज्ञान पर लेखिका ज्यादा ध्यान दी है अपनी लेखनी में । लेखिका प्रकृति प्रेमी भी हैं ।

पाठ प्रवेश

- आओ मिलकर पेड़ लगाएं, हरा-भरा ये चमन बनाएं वातावरण को स्वच्छ बना, जीवन को स्वस्थ बनाएं हरे-भरे पेड़ सिर्फ आंखों को सुखद लगने वाली हरियाली भर नहीं हैं। वे धरती के जेवर हैं। धरती को सजाने की जिम्मेदारी हम सबकी है।
- पेड़ों के बिना इस धरती पर हमारा जीवन शक्या नहीं, पेड़ों के बिना हमे खाना नहीं मिलेगा, सास लेने केलिए प्राणवायु नहीं होगी। और पेड़ों के बिना वातावरण में हवा नहीं बहेगी। पूरे जमीन पर सिर्फ पत्थर ही पत्थर होंगे सबकुछ एक रेगिस्थान बन जाएगा। पैड़ों के बिना जीवन संभव नहीं है, वृक्ष है तो जीवन है।

संबधित प्रश्न

- - 1- आप को कौनसा फल अच्छा लगता है ?
- 2 - आप के घर या आस पड़ोस में क्या के पेड़ पौधे हैं ?
- 3- पेड़ से आप को क्या क्या लाभ मिलता है ?
- 4-जंगली प्राणी कहाँ रहते हैं ?
- 5-यदि आप के घर को कोई तोड़ देगा तो आप को कैसा लगेगा ?
- 6-पर्यावरण का खयाल आप कैसे रखोगे ?
- 7-प्रकृति की संतुलान को बनाए रखने केलिए आप किस प्रकार कदम उठाओंगे ?
- 8 – अगर पेड़ न होता तो क्या होता ?

सारांश

- धर्मशास्त्रों में वृक्षारोपण को पुण्यदायी कार्य बताया गया है । इसका कारण यह है कि वृक्ष धरती पर जीवन के लिए बहुत आवश्यक हैं । भारतवर्ष में आदि काल से लोग तुलसी, पीपल, केला, बरगद आदि पेड़-पौधों को पूजते आए हैं । आज विज्ञान सिद्‍ध कर चुका है कि ये पेड़ू-पौधे हमारे लिए कितने महत्त्वपूर्ण हैं ।

- वृक्ष पृथ्वी को हरा- भरा बनाकर रखते हैं । पृथ्वी की हरीतिमा ही इसके आकर्षण का प्रमुख कारण है । जिन स्थानों में पेड़-पौधे पर्याप्त संख्या में होते हैं वहाँ निवास करना आनंददायी प्रतीत होता है । पेड़ छाया देते हैं । वे पशु-पक्षियों को आश्रय प्रदान करते हैं । पेड़ों पर बंदर, लंगूर, गिलहरी, सर्प, पक्षी आदि कितने ही जंतु बड़े आराम से रहते हैं । ये यात्रियों को सुखद छाया उपलब्ध कराते हैं । इनकी ठंडी छाया में मनुष्य एवं पशु विश्राम कर आनंदित होते हैं ।

- वृक्ष हमें क्या नहीं देते । फल, फूल, गोंद, रबड़, पत्ते, लकड़ी, जड़ी-बूटी, झाड़ू, पंखा, चटाई आदि विभिन्न प्रकार की जीवनोपयोगी वस्तुएँ पेड़ों की सौगात होती हैं । ऋषि-मुनि वनों में रहकर अपने जीवन-यापन की सभी आवश्यक वस्तुएँ प्राप्त कर लेते थे । जैसे-जैसे सभ्यता बड़ी लोग पेड़ों को काटकर उनकी लकड़ी से घर के फर्नीचर बनाने

- लगे । उदयोगों का विकास हुआ तो कागज, दियासलाई , रेल के डिब्बे आदि बनाने के लिए लोगों ने जंगल के जंगल साफ कर दिए । इससे जीवनोपयोगी वस्तुओं का अकाल पड़ने लगा । साथ ही साथ पृथ्वी की हरीतिमा भी घटने लगी ।
- भविष्य में जल संकट एक भीषण समस्या बन सकती है। पेड़ लगाना इस दिशा में एक सार्थक प्रयास होगा। इसलिए हमें इस और ध्यान देना चाहिए
- पेड़ लगाएँ पाठ में लेखिका बहत सुन्दर प्रयास किया है जंगल के जानवर के माध्यम से।
- कहानी में गरमी का मौसम आ गया था। नंदन बन में सभी प्राणीयो का हाल बेहाल हो गया था ज्यादा गर्मी के कारण। पानी जुटाना भी मुस्किल हो गया था। एक दिन इस दुख की निवारण के लिए जंगल के राजा एक सभा बुलाई। सभा में चीकू बंदर, वीरू हाथी, सुंदर खरगोश, भिखू सियार, जीतू मोर, झूमरू जिराफ़ उपस्थित थे।
- राजा ने चिंतित स्वर में पानी की समस्या को दूर करने के लिए सबसे सलाह मशविरा मांगे। तुरंत जीतू ने कहा कि इस जंगल को छोड़ कर दूसरे जंगल की और चलते हैं। राजा ने कहा जंगल छोड़ने से समस्या का समाधान नहीं होगा। उसके बाद हाथी ने कहा कि मैं अपनी सूंड से तालाब को भर दूँगा लेकिन यह प्रस्ताव ग्रहण योग्य नहीं था। सभी जानवर अपनी अपनी बुद्धि के अनुसार समस्या का समाधान करने की कोशिश की परंतु सही समाधान किसके पास नहीं था। तुरंत वीरू ने कहा कि पहले पानी की समस्या आई कैसे? राजा ने कहा सही तो है। राजा ने कहा वीरू येसा क्यों हो रहा है? वीरू कहा यह सब जंगल में पेड़ों की कमी के कारण हो रहा है। विज्ञान के अनुसार जितने अधिक पेड़ लगाएँगे उतनी ही अधिक बारिश होगी। कई बर्षों से हमने पेड़ लगाना बंद कर दिये थे। राजा ने यह ऐलान किया कि आज से हम सभी प्रतिज्ञा करते हैं कि कि रोज़ एक पेड़ लगाएँगे और उन पेड़ को किसीको काटने भी नहीं देंगे। उसके उपरांत सभी रोज पेड़ लगाए। परिणाम स्वरूप अगले साल जमकर बारिश हुई और सभी जानवर खुशी से झूमने लगे। अंत में राजा ने वीरू का आभार व्यक्त किया। पेड़ ही हमारा जीवन है इसकी रक्षा करने से हमारी जीवन में खुसहाली आ जाएगी।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

सामान्य उद्देश्य

- पेड़ है तो जीवन है ।
- पेड़ों के महत्व को समझने का प्रयास ।
- पेड़ लगाने केलिए सबको उत्साहित करना ।
- **विशिस्ट उद्देश्य –**
- पेड़ लगाकर प्रकृति की संतुलन को बनाए रखना ।
- बिज्ञान के अनुसारे बारिश पेड़ों के कारण होती है,इसलिए हमें पेड़ लगाना चाहिए और पेड़ों के काटने से उन्हे वचाना चाहिए ।
- **गृहकार्य - -**
- पाठ को संपूर्ण रूप से पढना और कठिन शब्दों को रेखांकित करना।

कठिन शब्दों को सही तरीके से उच्चारण का अभ्यास करना।

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP